मैथिली प्रतिष्ठा (Part-II)
Paper -IV

भाषा विज्ञान

Page No.:
Date: 15/04/2020

Mithili, D II, Paper IV unit-IV

डॉ. अरविन्द झा
सहायक प्राध्यापक
मैथिली विभाग
मारवाड़ी महाविद्यालय
दरभंगा
मो. 9040201409

भाषाक परिभाषा

आइ भाषाक विज्ञान क (Linguistic) किंवा Philology नाम सएह विशेष प्रचलित अछि। भाषा तत्व, भाषाशास्त्र, भाषा विचार, तुलनात्मक भाषाशास्त्र, भाषालोचन आदि एकर प्रमुख नाम अछि। वर्तमान मे भाषाविज्ञान सएह सर्वाधिक प्रचलित आ उपयुक्त नाम अछि। वस्तुतः उएह उपयुक्त मानल जाइछ जे अर्थक बोध ठिक ठिक करा सकए। Linguistic शब्दमे एकर सत प्रतिशत लक्षण हमरा सबके भेटैत अछि ते ई एकर प्रचलित भए गेल अछि।

भाषा विज्ञानक परिभाषा निरूपित करैत ई ध्यातव्य जे भाषा नित्य परिवर्तनशील, अतएव एकर नियम सबक अपवाद सेहो भए सकैछ। एहि विज्ञानमे भाषासँ सम्बद्ध विभिन्न रूपक समस्या - भाषा, भाषाक विकास, भाषाक उत्पत्ति, गठन, वर्गीकरण भाषाक अंग आदिक विश्लेषण कएल जाइछ। एकर क्षेत्र एक जाति, एक देश।

Scanned with CamScanner

एवं एकरे भाषाक सांगोपांग परिचय सम्भव नहि रहि, व्याकरण रूपेँ सत्य-असत्य, शिक्षित, अशिक्षित एवं अर्धशिक्षित वर्ग धरि स्वाभाविक रूप व्यवहार भए जाइछ। अस्तु, ई कहल जा सकैछ जे भाषाक वैज्ञानिक रूपसँ अध्ययन करब सहित लक्ष्य थिक भाषा विज्ञानक। एकरा विभिन्न विद्वान भिन्न-भिन्न रूपसँ परिभाषित कएने छथि। जाहिसँ एहि विषयक स्वरूपक चित्रण निरूपण होइछ।

भाषा विज्ञानसँ तात्पर्य होइछ

भाषाक विवेचन ओ वैज्ञानिक अध्ययन। एकर अन्तर्गत भाषा मनुष्यक द्वारा प्रयुक्त निश्चित प्रयत्नक परिणाम निःसृत ध्वनि सार्थक ध्वनि सम्पृक्त जकर अध्ययन विश्लेषण भए सकए तकर अध्ययन होइछ।

1. भाषा विज्ञान ओ शास्त्र थिक जाहिमे ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक अध्ययनक भाषाक उत्पत्ति, बनावट, प्रकृति विकास एवं ह्रास आदिक वैज्ञानिक व्याख्या कएल जाइछ।

(डॉ० मनमोहन गौतम - भाषाविज्ञान)

२. भाषा विज्ञानक सोझ अर्थ अछि, भाषाक विज्ञान एवं विज्ञानक अर्थ थिक विशिष्ट ज्ञान। एहि प्रकारे भाषाक विशिष्ट ज्ञान भाषा-विज्ञान कहाओत।

(प्रो. देवेन्द्र नाथ शर्मा - भाषा विज्ञान की भूमिका)

3. भाषा विज्ञानक अन्तर्गत वर्णनात्मक, ऐतिहासिक ओ तुलनात्मक द्वारा भाषाक उत्पत्ति, गठन, प्रकृति एवं विकास आदिक अध्ययन

व्याख्या करैत छथि सामान्य विषयक सिद्धान्त निर्माण हो ओकरा भाषाविज्ञान कहल जाइछ।

(डॉ० भोलानाथ तिवारी- भाषा विज्ञान)

अधुनातन परिभाषा सभके देखैत छी निष्कर्ष पर पहुँचल जा सकैछ जे कोनो भाषाक विशिष्ट, सामान्य ओ तुलनात्मक अध्ययनके भाषा विज्ञान कहल जाइछ। अर्थात जाहि विज्ञानमे भाषाक ध्वनि, ओकर बनावट, विकास, ह्रासक वैज्ञानिक व्याख्या होइछ से थिक भाषा विज्ञान। भाषा विज्ञान ओ विज्ञान थिक जाहिमे मनुष्य द्वारा प्रयुक्त ओ व्यक्त भाषाक पूर्णतया वैज्ञानिक अध्ययन कैल जाइछ।

—x—

डॉ० अरविन्द झा
मो० 9040201409